



### खबर संक्षेप

#### पेंशनर्स की मांगों

#### को पूरा करे सरकार

जींद। हरियाणा पेंशनर्ज समाज संबोधित आल इंडिया राज्य फेडरेशन मुख्य कार्यालय रोहतक जिला जींद की मासिक बैठक ब्राह्मण धर्मशाला सफीदों रोड जींद में हुई। जिसकी अध्यक्षत प्रधान ईश्वर शर्मा ने की। मंच संचालन सचिव उदयभान सैनी ने किया। जिसमें भलेराम बूरा, जोरा सिंह आर्य, अर्जुन सैनी, सत्यवान शर्मा ने पेंशनर्ज की मुख्य मांगों बारे अपने विचार रखे। जिसमें मुख्य रूप से कुरुक्षेत्र में होने वाले आल इंडिया सम्मेलन की तैयारी में जिला कमेटेी के द्वारा सम्मेलन की तैयारी बारे विचार विर्मश किया।

#### धान खरीद की तैयारियों पर डीसी लेंगी बैठक

जींद। धान की खरीद का सीजन शुरू होने से पहले जिला प्रशासन ने अनाज मंडियों में व्यवस्थाओं को पुख्ता करने की कवायद तेज कर दी है। धान खरीद को लेकर मंडियों में आवश्यक व्यवस्थाओं और प्रबंधन की समीक्षा के लिए 15 सितंबर को जिला स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। उपयुक्त एवं जिला मिलिंग कमेटी की अध्यक्ष डा. वैशाली शर्मा की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक लघु सचिवालय के सभागार में होगी। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक राजेश आर्य ने बताया कि बैठक में चालू वित्त वर्ष के लिए धान की खरीद को लेकर जिले की अनाज मंडियों में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

#### नाबालिग लड़की लापता अपहरण का मामला दर्ज

जींद। सफीदों से नाबालिग लड़की के संदिध हालात में गायब होने पर शहर थाना सफीदों पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सफीदों निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दस सितंबर को उसकी 15 वर्षीय पौती गायब हो गई। तलाशने तथा पृष्ठताछ करने पर उसकी पौती का कोई सुराग नहीं लगा। शहर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

#### हिंदी साहित्य प्रेक संस्था जींद की मासिक गोष्ठी

जींद। हिंदी साहित्य प्रेक संस्था जींद की मासिक गोष्ठी का आयोजन शांदा विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप कौशिक ने शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के निदेशक धर्मदेव विद्यार्थी ने की। मंच संचालन डा. नरेंद्र अत्री द्वारा किया गया। सामाजिक कुरीतियों, महिला सशक्तिकरण,तथा संस्कारों व जन चेतना संबंधी रचनाएं कलमकारों द्वारा प्रस्तुत की गई।

#### कैडेट्स ने चलाया

#### स्वच्छता अभियान

जींद। संत शिरोमणि श्री सेन भगत राजकीय महाविद्यालय जींद में स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सत्यवान मलिक की अध्यक्षता तथा उप प्राचार्य प्रो. लाभ सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने कॉमर्स ब्लॉक को हटा कर पार्क को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

#### बीएलओ को जमा करवाएं आवश्यक दस्तावेज : डीसी

जींद। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ वैशाली शर्मा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतानुसार एक जुलाई 2026 को क्वालीफाईड लिथि मानकर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर तक दर्ज की जा सकती हैं। इसी क्रम में मतदाताओं की सुविधा के लिए 13 सितंबर तथा 26 व 27 सितंबर को अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत संबोधित मतदान केंद्रों पर बीएलओ मौजूद रहेंगे। जहां पात्र अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करवाएं।

# इंडस स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया ग्रेंड पेरेंट्स-डे

# दादा-दादी संस्कार, अनुभव और परंपराओं के जीवंत स्रोत: सुभाष

## मंच पर मनमोहक प्रस्तुतियों से मोहा दर्शकों का मन



जींद । सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते बच्चे ।

फोटो :हरिभूमि

विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने अतिथियों एवं दादा व दादियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा दादा-दादियों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजक प्रतियोगियां एवं विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक एवं यादगार हिस्सा स्वयं दादा-दादियों की सक्रिय भागीदारी रही। दादा-दादियों ने मंच पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी। विभिन्न मजेदार खेलों एवं फन एक्टिविटीज में

उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी ऊर्जा एवं जोश से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी मुस्कान, उत्साह और बच्चों के साथ बिताए आनंदमय पलों ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। कई दादा-दादियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते यह संदेश दिया कि उम्र केवल एक संख्या है और जीवन में उत्साह एवं खुशी सदैव जीवंत रहनी चाहिए। मुख्यअतिथि सुभाष श्योराण ने अपने संबोधन में दादा-दादियों के महत्व पर प्रकाश डालते कहा कि परिवार में दादा-दादी संस्कारों, अनुभवों और परंपराओं के जीवंत स्रोत होते हैं। उनका स्नेह एवं

#### एसआईआर: एसडीएम ने बूथों का किया निरीक्षण

जींद। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 को लेकर जुलाना के एसडीएम एवं निर्वाचक पंजीयन अधिकारी होशियार सिंह ने जुलाना विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। बूथों पर चल रहे एसआईआर कार्यों का जायजा लेते मौके पर इयूटी दे रहे बृथ लेवल अधिकारियों से प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने बीएलओ को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार एसआईआर का कार्य पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और गिर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए बीएलओ बृथ क्षेत्र के मतदाताओं से जानकारी एवं दस्तावेज प्राप्त करें तथा मतदाता सूची में दर्ज विवरण का भी सावधान पूर्वक सत्यापन करें।

## विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर छात्रों को बताए जीवनरक्षक उपाय

हरिभूमि न्यूज ॥जींद

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर जिला रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एचकेसीएल के माध्यम से कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा के महत्व और उपयोगिता की जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए प्राथमिक चिकित्सा विषय पर प्रश्नोत्तरी भी करवाई गई। कार्यक्रम में जिला रेडक्रॉस सोसायटी जींद की जिला प्रशिक्षण अधिकारी सरोज ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को

संबोधित किया। कहा कि प्राथमिक चिकित्सा का ज्ञान हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। दुर्घटना, चोट, जलने, बेहोशी, रक्तस्राव अथवा अन्य किसी आपात स्थिति में चिकित्सकीय सहायता मिलने से पहले दिया गया प्राथमिक उपाचार अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। सही समय पर और सही तरीके से दी गई प्राथमिक चिकित्सा पीड़ित की स्थिति को गंभीर होने से रोकने के साथ कई बार अनमोल जीवन बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन के अध्यक्ष राजकुमार भोला ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर और तकनीकी शिक्षा के साथ जीवनोपयोगी एवं सामाजिक कौशल का ज्ञान भी बेहद आवश्यक है।

## डॉ. राज सैनी ने ली नरवाना विधानसभा के सभी चारों मंडलों की कार्यशाला

# सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को हवन-रक्तदान पौधरोपण,जरूरतमंदों को भोजन सहित होंगे विभिन्न सेवा कार्य

हरिभूमि न्यूज ॥जींद

जिला जींद की नरवाना विधानसभा के अंतर्गत उझाना मंडल, दानोदा मंडल, नरवाना मंडल और धमतान मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वरिष्ठ भाषा नेता डा. राज सैनी ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत करते हुए पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत एवं सकारात्मक संवाद किया। कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के



जींद । बैठक को संबोधित करते डॉ. राज सैनी ।

फोटो :हरिभूमि

उपलक्ष्य में आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जाने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

अभियान के अंतर्गत विभिन्न सेवा, जनकल्याण एवं समाजहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डा. राज सैनी ने बताया कि 17

## जींद

हरिभूमि न्यूज ॥जींद

हरियाणा सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण सफाई कर्मियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेकर एक बार फिर ये साबित किया है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह



#### भाग लेने वाले का आभार व्यक्त किया

विद्यालय के चेयरमैन सुरेंद्र मंडोत्रा ने कहा कि दादा-दादी परिवार की वह मजबूत कड़ी हैं, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, संस्कारों और संस्कृति से जोड़ती हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाले सभी दादा-दादियों का आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्यां उज्ज्वलि सैनी ने कहा कि दादा-दादी दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि बच्चों और दादा-दादियों के बीच इस प्रकार के कार्यक्रम भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, दादा-दादियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लुखेड़ा का यह दादा-दादी दिवस प्रेम, सम्मान, संस्कार और खुशियों की ऐसी यादें छोड़ गया, जिनहें सभी लंबे समय तक संजोकर रखेंगे।

मार्गदर्शन बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

# सांग पिंगला भरथरी का किया मंचन

#### राजीव गांधी महाविद्यालय उचाना में सांग समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ॥जींद

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से शैडो चिल्ड्रेन रिसर्च सेंटर फॉर थिएटर एंड टीवी द्वारा सांग पिंगला भरथरी और ऑन थिएटर ग्रुप द्वारा राजा नल दमयंती सांगों से एक दिवसीय सांग समारोह का आयोजन राजीव गांधी कालेज उचाना में किया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य जगतवीर सिंह सहरावत ने की। उन्होंने कहा कि हमें वर्तमान पीढ़ी के लिए ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। जिसे की हमारी परम्पराएं धूमिल न हों। मुख्यअतिथि के रूप में आकाशवाणी हिसार

## नायब सरकार पात्र तक कल्याणकारी नीतियों का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : डॉ. भारत भूषण

हरिभूमि न्यूज ॥जींद

हरियाणा सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण सफाई कर्मियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेकर एक बार फिर ये साबित किया है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह



सैनी के नेतृत्व वाली सरकार के अंतिम व्यक्ति तक स र का री योजनाओं व कल्याणकारी नीतियों का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष डा. भारत भूषण टाक ने ग्रामीण सफाई कर्मियों के हित में लिए गए इन महत्वपूर्ण

#### पंजीकरण के बाद तय समय में होगा इंतकाल

जींद। डीसी डा. वैशाली शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा राजस्व सेवाओं को सरल, पारदर्शी, जवाबदेह एवं समझदूढ़ बनाने की दिशा में ऑटो म्यूटेशन व्यवस्था को लागू किया जा रहा है। इस व्यवस्था का उद्देश्य पंजीकरण के बाद इंतकाल की प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूरा करना तथा आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से तहसील कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत देना है। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के साथ-साथ प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। डीसी ने बताया कि पंजीकरण के बाद इंतकाल की प्रक्रिया के लिए स्पष्ट समयसीमा निर्धारित की गई है। इसके तहत पहले चार दिन तक इंतकाल पटवारी के ऑफिस में रहेगा ताकि पटवारी द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

#### मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में कर्मचारी हित सर्वोपरि

निर्णयों का स्वागत करते मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार के ये फैसले केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं हैं बल्कि ग्रामीण सफाई कर्मियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा, कार्य परिस्थितियों और भविष्य की सुरक्षा से सीधे जुड़े हुए हैं। डा. भारत भूषण टाक ने कहा कि प्रदेश की ग्रामीण स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने में ग्रामीण सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। गांवों में स्वच्छता बनाए रखने से लेकर बीमारियों की रोकथाम और स्वच्छ



जींद । पीटीएम में भाग लेते हुए ।

फोटो :हरिभूमि

#### बैठक में विद्यार्थियों की प्रगति पर हुआ सार्थक संवाद

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार, अनुशासन, रुचियों तथा उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं को लेकर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सार्थक संवाद स्थापित करना रहा। इस दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों की परीक्षा संबंधी जानकारी साझा की तथा उनकी पढ़ाई में सामने आ रहे कमजोर पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में शिक्षकों ने प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए अभिभावकों को बताया कि बच्चा किन विषयों में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और किन क्षेत्रों में उसे अतिरिक्त अभ्यास एवं मार्गदर्शन की आवश्यकता है। विद्यार्थियों के कमजोर पक्षों पर अभिभावकों से चर्चा करते हुए उन्हें यह भी बताया गया कि घर पर बच्चों को किस प्रकार सहयोग दिया जा सकता है। विद्यालय और अभिभावकों के समूहिक प्रयास से विद्यार्थियों की कमियों को दूर कर उनकी क्षमताओं को बेहतर दिशा देने पर जोर दिया गया।

साथ था। पिंगला ने वह फल सेवक को दे दिया। वह सेवक उस फल को अपनी प्रेमिका को दे आया। उस प्रेमिका ने सोचा कि राजा ही इस राज्य के मालिक हैं और वे ही दीर्घजीवी होने चाहिए। इसलिए उसने राजा भरतृहरि को उपहार में दे दिया। राजा ने जब उस से पूछा कि उसे यह फल कहां से मिला तो उसने कोतवाल सेवक का नाम बता दिया। सख्ती से जांच करने पर सच सामने आ गया कि राजा ने जो फल रानी पिंगला को दिया था, उसने वह किसी और को दे दिया था। इससे राजा भरतृहरि का मोह भंग हो गया। कलाकार समुद्र सिंह, लीला राम शास्त्री, राजपाल, दमनदीप, सुरेश कुमार, आनंद, कृष्ण लाल हारमोनियम आदि मौजूद रहे।



नरवाना । कोमल को प्रोफेसर राम रतन शर्मा छात्रवृत्ति से सम्मानित करते हुए ।

#### पुण्यतिथि पर मानव मित्र मंडल ने मनाया सेवा दिवस

नरवाना। मानव मित्र मंडल, शाखा नरवाना ने अपने संस्थापक और प्रथम प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर रामरत्न की पुण्यतिथि को सेवा दिवस के रूप में आयोजित किया। मंडल सचिव नरेश वत्स ने जानकारी दी कि प्रोफेसर रामरत्न मानवता को समर्पित शख्सियत थे। मानव मित्र मंडल का नारा, सबल बने निर्बल का सहायता का उद्देश्य देकर मानवता को समर्पित संस्था को स्थापना की। उनकी पुण्यतिथि पर शाखा नरवाना ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये। इस दिवस पर एक महिला ऑटो चालक व दो चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। कोमल को 5100 रुपये की प्रोफेसर रामरत्न शर्मा स्मृति छात्रवृत्ति से नवाजा गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता नरेंद्र गार्ग ने मानव मित्र मंडल के सेवा दिवस को सराहा व शिक्षा के क्षेत्र में दिये जा रहे योगदान की प्रशंसा की। राजकीय मंडल संस्कृति वित्ठ मध्यमिक विद्यालय की छात्रा कोमल को स्टेशनरी व नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया।



जींद । बैठक में भाग लेते हुए संस्था सदस्य ।

फोटो :हरिभूमि

#### विवि में जिला योगासन चैंपियनशिप 27 सितंबर को

जींद। जिला योगासन चैंपियनशिप 27 सितंबर को चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी जींद में होगी। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रुद्राक्ष मिश्रा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सभी वर्गों में प्रतियोगिता होगी। जिसमें जिलाभर से प्रतियोगी भाग ले सकते हैं। इसके लिए हॉल्क स्तर पर भी इयूटी लगाई गई है। निवृत्तमन अध्यक्ष डा. धर्मदेव विद्यार्थी का बैठक में सर्वसम्मति से सम्मान किया गया। रुद्राक्ष मिश्रा ने उनके कार्यों की प्रशंसा की और उन्हें एक शाल तथा माता रानी की दिव्यमूर्ति भेंट की। इस मौके पर श्रीराम नारायण आर्य, डा. अशोक सैनी, डा. रणबीर राठी, डा. वेद मलिक तथा जिलाभर से आए कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि जो योगरूपी पौधा डा. धर्मदेव विद्यार्थी द्वारा जिला में लगाया गया, वे इसका घर-घर जाकर प्रचार प्रसार करेंगे। उनकी बह्वचरूपी सेवाओं को देखते हुए सर्वसम्मति से उन्हें जिला योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन का संरक्षक बनाने के लिए कहा गया। रुद्राक्ष मिश्रा ने कहा कि इस वर्ष यह प्रतियोगिता अभूतपूर्व रूप से संपन्न होगी, जिसमें किसी प्रकार के भी कमी नहीं रहने दी जाएगी।

हवन, यज्ञ के माध्यम से देश की सुख,समृद्धि एवं प्रधानमंत्री जी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की जाएगी।

सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा एवं जनकल्याण के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान

खबर संक्षेप

विधायक आदित्य को हुई पुत्र रत्न की प्राप्ति

कैथल। कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला के घर पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। इस खुशी की खबर से उनके समर्थकों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। पुत्र जन्म की खुशी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किसान भवन पहुंचकर विधायक आदित्य सुरजेवाला के चाचा सुदीप सुरजेवाला से मुलाकात की और उन्हें इस शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला एवं सुदीप सुरजेवाला को दादा बनने पर भी बधाई दी तथा नवजात शिशु के स्वस्थ, सुखी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तीन मामलों में 4 आरोपी गिरफ्तार

कैथल। जिला पुलिस द्वारा नशा तस्करी के अलग-अलग 3 मामलों में 4 आरोपियों को काबू किया गया। आरोपियों के कब्जे से 16.84 ग्राम चिट्ठा/हेरोइन तथा 2 बोतल हथकड़ी शराब बरामद की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पहले मामले में एंटी नारकोटिक सेल कैथल प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवा में एसआई जयभगवान की टीम रात्रिकालीन गश्त दौरान गांव सोलुमाजरा में मौजूद थी। जहां पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली गांव सोलु माजरा से जड़ोला जाने वाली सड़क पर एक व्यक्ति नशीला पदार्थ लेकर किसी के इंतजार में खड़ा हैं। पुलिस टीम द्वारा गांव सोलु माजरा रेलवे फाटक के पास दक्षिण देकर एक व्यक्ति को काबू कर लिया।

जिप सदस्य और सीईओ का किया धन्यवाद

कैथल। जिला परिषद कैथल के हाउस की बैठक में जिला कैथल के सर्वोच्च बलिदानियों के अटके शहीद स्मारकों का कार्य जो लंबे समय से कुछ कारणों के वजह से रुका हुआ था, का रास्ता क्लीयर होने पर पूर्व सैनिक वेल्फेयर एसोसिएशन प्रधान जगजीत फौजी ने वर्तमान चेयरमैन,पूर्व चेयरमैन,वाइस चेयरमैन एवं सभी सदस्यों का धन्यवाद किया और खासकर वार्ड नंबर 15 के मनीष कुमार व वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि फौजी कर्मवीर का जिन्होंने बलिदानियों को सम्मान दिलाने बारे सदन में प्रस्ताव रखा। सभी ने पास किया और इसमें दो पूर्व सैनिक सी ई ओ गुलजार मलिक व फौजी कर्मवीर जिन्होंने कारगिल युद्ध में अपने सैनिकों का खुद के हाथों में बलिदान होते देखा है।

छात्रों को सिखाए प्राथमिक उपचार के तरीके

कैथल। मानस रोड स्थित न्यूटन पब्लिक स्कूल कैथल में विश्व प्राथमिक सहायता दिवस मनाया। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रवीण प्रजापति के सहयोग से किया गया। जिसमें विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्कूल स्टाफ को प्राथमिक सहायता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला सचिव राजजी लाल ने कहा कि प्राथमिक सहायता का ज्ञान केवल चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक आम नागरिक को भी इसकी जानकारी होनी चाहिए। दुर्घटना अथवा आपात स्थिति में घायल व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक सहायता देकर जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाया जाए तो उसकी स्थिति को गंभीर होने से रोका जा सकता है और कई परिस्थितियों में उसकी जान भी बचाई जा सकती है। जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. बीरबल दलाल ने बताया कि इस वर्ष की थीम फर्स्ट एड इन इमर्जेंसी कोन्टेक्ट है। विद्यार्थियों को बताया गया कि दुर्घटना की स्थिति में उपलब्ध संसाधनों का सुरक्षित तरीके से उपयोग करते हुए घायल व्यक्ति की मदद कैसे की जा सकती है।



कैथल । डा. बीरबल दलाल सीपीआर का प्रशिक्षण देते ।

फोटो :हरिभूमि

उपप्रधान पद का ताज नीना शर्मा के सिर सजा

हरिभूमि न्यूज >>> कैथल

जिला बार एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव में प्रधान पद के लिए मानव मदान और प्रदीप कुमार धारीवाल के बीच सीधा मुकाबला हुआ। चुनाव में मानव मदान को 622 और प्रदीप कुमार धारीवाल को 723 मत मिले। इसमें प्रदीप कुमार धारीवाल ने अपने प्रतिद्वंदी मानव मदान को 101 मतों से हराया। इसी प्रकार के वरिष्ठ उप प्रधान पद पर प्रवीण शर्मा, संजीव कुमार सैनी और सत्यवीर सिंह सहारण के बीच मुकाबला हुआ। इनमें प्रवीण शर्मा विजयी रहे। इसमें प्रवीण शर्मा को 613, संजीव कुमार सैनी को 342 और सत्यवीर सिंह सहारण को 383 मत मिले। प्रवीण शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सत्यवीर सिंह सहारण को 230 मतों से हराया। महिला आरक्षित उप प्रधान पद पर लविका, नीना शर्मा और रजनी



कैथल । बार एसोसिएशन के प्रधान बनने पर प्रदीप धारीवाल को कंधों पर उठाकर जश्न मनाते उनके समर्थक ।

जीत के साथ शानदार की वापसी

सचिव बने उमेश मलिक की जीत भी काफी महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वह पिछली बार बार एसोसिएशन के एक पद का चुनाव हार गए थे। इसके बावजूद उन्होंने अपने साथियों के बीच संपर्क बनाए रखा और इस बार फिर चुनाव मैदान में उतरकर जीत हासिल की।

ऋतु राज निर्विरोध निर्वाचित हुई

बता दें कि महिला आरक्षित सहसचिव पद पर ऋतु राज निर्विरोध निर्वाचित हो चुकी हैं। ऋतु राज और किरण कुमारी के बीच सहमति बनी थी। इसके बाद किरण कुमारी ने अपना नामांकन वापस लेते हुए ऋतु राज का समर्थन किया था।

1349 अधिवक्ताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

चुनाव अधिकारी जयनारायण अग्नी, उप चुनाव अधिकारी गौरव जैन, विकास चहल, सुभाष चंद महला और विक्रम सिंह जैन ने बताया कि मतदान सुबह आठ बजे शुरू होकर शाम चार बजे तक चला। इस बार कुल 1530 अधिवक्ताओं में से 1349 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

प्रदीप धारीवाल का बढ़ा राजनीतिक कद

जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में इस बार मुकाबला काफी रोचक रहा। अध्यक्ष पद के चुनाव में प्रदीप धारीवाल ने पूर्व मंत्री सुरेंद्र मदान के पुत्र मानव मदान को हराकर जीत हासिल की। मानव मदान को कई बड़े नेताओं के साथ-साथ जिला बार के अनेक वरिष्ठ एवं प्रभावशाली अधिवक्ताओं का समर्थन और आशीर्वाद प्राप्त था, इसके बावजूद प्रदीप धारीवाल ने उन्हें मात देकर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। प्रदीप धारीवाल के लिए यह जीत इसलिये भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि वे पिछली बार जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में हार गए थे। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी और एक बार फिर अपने साथियों के सहयोग तथा अधिवक्ताओं के बीच बनाए गए संपर्क के बल पर चुनाव मैदान में उतरे। इस बार अधिवक्ताओं ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें विजयी बनाया। धारीवाल ने कहा कि वे बार एसोसिएशन की एकता, अधिवक्ताओं के हित और बार की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करेंगे।

बढ़ते प्रदूषण को देखते पीओपी की जगह मिट्टी की प्रतिमाएं अपनाने की अपील

हरिभूमि न्यूज >>> कैथल

गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस बार यह पर्व 14 सितंबर को मनाया जाएगा। इस अवसर पर श्रद्धालु घरों और पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। गणपति को प्रथम पूज्य देव माना गया है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि भगवान गणेश विघ्नों को दूर कर मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। कवि एवं साहित्यकार श्याम सुंदर गौड़ ने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान शहर और गांवों में जगह-जगह पंडाल स्थापित की जाते हैं। इनमें गणपति की सुंदर प्रतिमाएं स्थापित कर कई दिनों तक पूजा की जाती है। अनंत चतुर्दशी के दिन श्रद्धालु श्रद्धा के साथ गणपति प्रतिमा का विसर्जन करते हैं। विसर्जन के दौरान ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले वर्ष तू जल्दी आ’ के जयकारे लगाए जाते हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों से गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के कारण जल प्रदूषण की समस्या भी सामने आ रही है। प्लास्टर ऑफ



गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस बार यह पर्व 14 सितंबर को मनाया जाएगा। इस अवसर पर श्रद्धालु घरों और पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। गणपति को प्रथम पूज्य देव माना गया है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि भगवान गणेश विघ्नों को दूर कर मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। कवि एवं साहित्यकार श्याम सुंदर गौड़ ने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान शहर और गांवों में जगह-जगह पंडाल स्थापित की जाते हैं। इनमें गणपति की सुंदर प्रतिमाएं स्थापित कर कई दिनों तक पूजा की जाती है। अनंत चतुर्दशी के दिन श्रद्धालु श्रद्धा के साथ गणपति प्रतिमा का विसर्जन करते हैं। विसर्जन के दौरान ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले वर्ष तू जल्दी आ’ के जयकारे लगाए जाते हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों से गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के कारण जल प्रदूषण की समस्या भी सामने आ रही है। प्लास्टर ऑफ

गणेश उत्सव में मिट्टी की प्रतिमाओं का करें प्रयोग, जल प्रदूषण से बचाएं

गणेश चतुर्थी मनाने की सरल विधि और नियम

- ▶ **शुभ मुहूर्त में स्थापना:** गणेश चतुर्थी के दिन शुभ मुहूर्त में मिट्टी से बनी गणेश जी की प्रतिमा घर लाएं।
- ▶ **दिशा का ध्यान:** मूर्ति को घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) या पूर्व दिशा में एक चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर स्थापित करें। मूर्ति के दाईं ओर कलश रखें।
- ▶ **संकल्प और प्राण-प्रतिष्ठा:** पूजा से पहले व्रत या सेवा का संकल्प लें और बप्पा का आह्वान करें।
- ▶ **पूजन सामग्री:** पूजा में रोली, अक्षत (चावल), जनेऊ, लाल फूल (गुलाब), और विशेष रूप से दुर्वा घास (दुर्वा) अर्पित करें।
- ▶ **भोग और आरती:** भगवान गणेश को मोदक या लड्डू का प्रिय भोग लगाएं। सुबह और शाम परिवार के साथ मिलकर आरती करें।
- ▶ **विसर्जन:** अपनी परंपरा के अनुसार 1.5, 3, 5, 7 या 10 दिनों तक सेवा करने के बाद अनंत चतुर्दशी पर आदर के साथ गणेश विसर्जन करें।

पेरिस और रसायनिक रंगों से बनी नहरों का पानी प्रदूषित होता है तथा प्रतिमाएं पानी में पूरी तरह घुल नहीं जलीय जीवों पर भी प्रतिकूल पातीं। इससे तालाबों, नदियों और प्रभाव पड़ता है।

न्यूज डायरी

जूड़ो में ओएसडीएवी स्कूल का शानदार प्रदर्शन

कैथल। 59वीं राष्ट्रीय स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता (जूड़ो) में हरियाणा के सभी जिलों से लगभग ग्यारह सौ खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कैथल की ओर से खेलते ओएसडीएवी स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और जिले के लिए दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल चार पदक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले एवं विद्यालय में हर्ष एवं गर्व का वातावरण है। स्कूल के कक्षा 11वीं के छात्र अरमान ने 55 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, कक्षा 10वीं की छात्रा जायरना ने 63 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण, कक्षा 11वीं की छात्रा राधिका ने 44 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक एवं कक्षा 12वीं के छात्र इलेश ने 90 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता और स्वर्ण पदक विजेता अरमान व जायरना ने राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया।

फसल अवशेषों का प्रबंधन कर बढ़ाएं भूमि की उर्वरा शक्ति

राजौद। गांव जाखौली में आयोजित कार्यक्रम किसानों को किया जागरूक। कृषि विशेषज्ञ द्वारा बताया कि कृषि योग्य भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने और क्षीण हो रही मिट्टी की उर्वरता को पुनर्जीवित करने के लिए फसल अवशेषों का यथास्थान प्रबंधन किया जाना बेहद जरूरी है। फसल अवशेष किसानों के लिए बेकार सामग्री नहीं, बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन है। यद्यपि चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के अधीनस्थ स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र, कैथल के वैज्ञानिक एवं फसल अवशेष प्रबंधन के नोडल अधिकारी डॉ. अमित कुमार ने शनिवार को गांव जाखौली में आयोजित ग्राम स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन कार्यक्रम के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए कहा। डॉ. अमित कुमार ने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। पराली को खेत में ही उचित तरीके से प्रबंधित करने से भूमि में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ाई जा सकती है, जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाता है।

गुरु ब्रह्मानंद पैलेस में बनेगा टॉयलेट-बाथरूम

दंडा। गांव पखनावा स्थित गुरु ब्रह्मानंद पैलेस में लंबे समय से चली आ रही गामीणों की मांग अब पूरी होने जा रही है। जिप के तत्त्वधायन में पैलेस परिसर में 11.50 लाख से टॉयलेट-बाथरूम का निर्माण करवाया जाएगा। शनिवार को जिप चेयरमैन कर्मबीर कौल ने सरपंच प्रतिनिधि सुरजीत पखनावा तथा गामीणों की मौजूदगी में नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। गांव में पहुंचने पर गामीणों ने चेयरमैन कर्मबीर कौल का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। जिला परिषद चेयरमैन कर्मबीर कौल ने कहा कि गुरु ब्रह्मानंद पैलेस में लगातार शादी-विवाह के साथ-साथ सुख-दुख के सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।

जिला स्तरीय विज्ञान सेमिनार में सक्षम द्वितीय

कैथल। एमडीएन ग्लोबल स्कूल, कैथल के कक्षा आठवीं के मेधावी छात्र सक्षम मलिक ने जिला स्तरीय विज्ञान सेमिनार में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष एवं गर्व का वातावरण है। उनकी इस सफलता के आधार पर अब सक्षम मलिक राज्य स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता में कैथल जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला स्तरीय विज्ञान सेमिनार का आयोजन 19 अगस्त 2026 को पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जाखौली अड्डा, कैथल में किया गया। इससे पूर्व ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपरान्त सक्षम ने जिला स्तर पर भी अपनी प्रतिभा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट परिचय दिया।

पूर्व मंत्री सुरेंद्र मदान के बेटे मानव मदान को 101 मतों से हराया प्रदीप धारीवाल के सिर सजा जिला बार एसोसिएशन के प्रधान का ताज

उपप्रधान पद का ताज नीना शर्मा के सिर सजा

हरिभूमि न्यूज >>> कैथल

जिला बार एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव में प्रधान पद के लिए मानव मदान और प्रदीप कुमार धारीवाल के बीच सीधा मुकाबला हुआ। चुनाव में मानव मदान को 622 और प्रदीप कुमार धारीवाल को 723 मत मिले। इसमें प्रदीप कुमार धारीवाल ने अपने प्रतिद्वंदी मानव मदान को 101 मतों से हराया। इसी प्रकार के वरिष्ठ उप प्रधान पद पर प्रवीण शर्मा, संजीव कुमार सैनी और सत्यवीर सिंह सहारण के बीच मुकाबला हुआ। इनमें प्रवीण शर्मा विजयी रहे। इसमें प्रवीण शर्मा को 613, संजीव कुमार सैनी को 342 और सत्यवीर सिंह सहारण को 383 मत मिले। प्रवीण शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सत्यवीर सिंह सहारण को 230 मतों से हराया। महिला आरक्षित उप प्रधान पद पर लविका, नीना शर्मा और रजनी

गुप्ता के बीच मुकाबला हुआ।

उपप्रधान पद का ताज नीना शर्मा के सिर सजा। इसमें लविका को 306, नीना शर्मा को 628 तथा रजनी गुप्ता को 407 मत मिले। इसमें नीना शर्मा 221 मतों से विजयी रही। सचिव पद के लिए उमेश और सुशान शर्मा के बीच मुकाबला हुआ। इसमें उमेश सचिव बने। चुनाव में उमेश को 822 तथा सुशान शर्मा को 523 मत मिले। उमेश ने सुशान शर्मा को 299 मतों से हराया।

जीत के साथ शानदार की वापसी

सचिव बने उमेश मलिक की जीत भी काफी महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वह पिछली बार बार एसोसिएशन के एक पद का चुनाव हार गए थे। इसके बावजूद उन्होंने अपने साथियों के बीच संपर्क बनाए रखा और इस बार फिर चुनाव मैदान में उतरकर जीत हासिल की।

श्री गुरु गोरक्षनाथ सेवा ट्रस्ट के 21वें भंडारे के लिए कैथल से जत्था रवाना

■ भंडारे के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं

हरिभूमि न्यूज >>> कैथल

श्री गुरु गोरक्षनाथ सेवा ट्रस्ट द्वारा गोरख टीला, बागडू (राजस्थान) में आयोजित किए जा रहे 21वें विशाल भंडारे के लिए आज कैथल के रामलीला ग्राउंड से श्रद्धालुओं एवं सेवा सामग्री का जत्था श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना किया गया। श्री गुरु गोरक्षनाथ सेवा ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक अमरजीत छाबड़ा ने संत-महात्माओं के पावन सान्निध्य में जत्ये को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पावन अवसर पर



कैथल । मुख्य संरक्षक सेवा सामग्री जत्था को हरी झंडी दिखा रवाना करते हुए ।

अमरजीत छाबड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए श्री गुरु गोरक्षनाथ जी के चरणों में श्रद्धा सनातन संस्कृति, सेवा भावना और सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। अमरजीत छाबड़ा

ने कहा कि संत-महात्माओं के सान्निध्य में होने वाले ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हमारी सनातन संस्कृति, सेवा भावना और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं।



कैथल । लैंगिक संवेदनशीलता पर कार्यशाला के दौरान जाट शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल के स्टाफ सदस्य ।

लैंगिक संवेदनशीलता पर कार्यशाला

कैथल। जाट शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल, में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर एक अत्यंत प्रेरणादायक और गतिविधि आधारित कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जलित कर किया गया। कार्यशाला की विशेषज्ञ मंजूषा करनल रहीं, जिन्होंने विभिन्न रोचक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों को लैंगिक समानता का व्यावहारिक ज्ञान दिया। अभिनय के जरिए भेदभाव भरी और समानता भरी कक्षा का अंतर समझाया, उदाहरण चर्चा के माध्यम से तृतीय लिंगी बच्चों से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की और भाषा सुधार खेल के द्वारा रोजमर्रा में बोले जाने वाले भेदभावपूर्ण वाक्यों को सकारात्मक भाषा में बदलना सिखाया। उन्होंने बताया कि एक लैंगिक संवेदनशील विद्यालय वही है जहां बालिकाओं और तृतीय लिंगी विद्यार्थियों का सशक्तिकरण हो, सभी गतिविधियों में उनकी समान भागीदारी हो और किसी भी प्रकार की हिंसा को रोकने के लिए ठोस नीति हो। उन्होंने अपने प्रेरक वाक्य /‘यदि आप बिना पंखों के पैदा हुए हैं, तो दूसरों के पंखों को बढ़ने से रोकिए मत।’ के माध्यम से सभी को समान अवसर देने का संदेश दिया।

इंडस प्ले स्कूल में गैड पेरेंट्स-डे का भव्य आयोजन

रिशतों की बगिया, फरिशतों के संग में नौनिहालों ने जमाया रंग

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और बुजुर्गों के बीच प्रेम, सम्मान, को और अधिक सुदृढ़ करना

हरिभूमि न्यूज >>> कैथल

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और उनके दादा-दादी एवं नाना-नानी के बीच प्रेम, सम्मान, आत्मीयता एवं भावनात्मक जुड़ाव को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। इस वर्ष कार्यक्रम की भावपूर्ण थीम “रिशतों की बगिया, फरिशतों के संग” रही, जिसने पूरे आयोजन को स्नेह और पारिवारिक मूल्यों से सरोबेर कर



कैथल । सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते विद्यार्थी ।

फोटो : हरिभूमि

दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। विद्यालय परिवार की ओर से वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता की भावना व्यक्त की गई। कार्यक्रम में दादा-दादी एवं नाना-नानी के लिए विभिन्न

मनोरंजक गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साडी ड्रैपिंग, बन एंड स्ट्रॉ फन तथा पैप बॉक जैसी गतिविधियों में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। उनकी ऊर्जा, आत्मविश्वास और उत्साह ने

कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया तथा वातावरण को खुशनुमा बना दिया। इस अवसर पर नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। बालवाटिका-2 एवं बालवाटिका-3 के बच्चों ने “द

आभार व्यक्त किया

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विजेताओं के उत्साहवर्धन के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या तनु पुनिया ने कहा कि दादा-दादी एवं नाना-नानी परिवार की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, संस्कार और स्नेह बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजन पीढ़ियों के बीच भावनात्मक संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ बच्चों में पारिवारिक मूल्यों एवं वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। डायरेक्टर अभिषेक सहायण ने कहा कि बच्चों की शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कार, संवेदनशीलता और पारिवारिक मूल्यों का विकास भी उतना ही आवश्यक है। हेडमिस्ट्रेस अनीता मनवंदा ने सभी दादा-दादी एवं नाना-नानी की उत्साहपूर्ण सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया तथा कहा कि उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा और उत्प्लाव को कई गुना बढ़ा दिया।

गोल्डन बॉन्ड’ के अंतर्गत भावपूर्ण एवं आकर्षक प्रस्तुतियाँ देकर दादा-दादी एवं नाना-नानी के प्रति अपने प्रेम को अभिव्यक्त किया। इसके

आतिरिक्त विभिन्न गीतों पर बच्चों एवं शिक्षकों की मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

खबर संक्षेप



सैनिक वाटिका में लगा निःशुल्क हृदय जांच कैंप

जीद। गोहाना रोड स्थित सैनिक वाटिका में शनिवार को सैनिकों, पूर्व सैनिकों और आमजन के लिए निशुल्क हृदय जांच शिविर एवं सैनिक परिवारजन सभा का आयोजन किया गया। शिविर में मोहाली के अस्पताल से पहुंची हृदय रोग विशेषज्ञ डा. अंकिता शर्मा और उनकी टीम ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान ईसीजी, रक्त शर्करा, रक्तचाप मापने सहित विभिन्न आवश्यक जांच सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध करवाई गईं। शिविर के साथ पूर्व सैनिक कल्याण संगठन की ओर से सैनिक परिवारजनों की मासिक सभा भी आयोजित की गई। इसमें

विद्यार्थियों की यातायात सुविधा को लिखेंगे पत्र

कलायत। कलायत में नेशनल हाइवे पर स्थित आटीआई विद्यार्थियों के सामने वर्षों से खड़ी यातायात समस्या के निवारण को लेकर लोकसभा सांसदों के प्रयास शुरू हो गए हैं। बस अड्डा से आईटीआई तक स्पेशल बस सेवा मुद्दा हिसार लोकसभा से कांग्रेस सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश जेपी के समक्ष उठा है। सांसद जयप्रकाश जेपी ने कहा कि कलायत विधानसभा क्षेत्र कुरुक्षेत्र लोकसभा का हिस्सा है। नवीन जिंदल सत्तारूढ़ भाजपा के सांसद हैं।

17 को प्रज्वलित होगा आशीर्वाद का दीया

कैथल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के राष्ट्र सेवा, समर्पण और संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को शहरी मण्डल द्वारा "सेवा संकल्प अभियान" कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जयप्रकाश आर्युप गर्ग ने की। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री सुभाष सुधा व वक्ता के रूप में पूर्व विधायक लीला राम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों और कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

1933 पर दें इग्स तस्करी की गुप्त जानकारी : डीसी कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार ने नशे के खिलाफ राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन मानस-1933 शुरू किया हुआ है। यह हेल्पलाइन देश को 2047 तक नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मानस हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे चालू रहता है। लोग इस पर इग्स तस्करी की गुप्त जानकारी साझा कर सकते हैं। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के शरीर व बुद्धि का नाश करता है, बल्कि समाज की भी खोखला करता है। नशा करने वाले व्यक्ति का पूरा परिवार इससे प्रभावित होता है। केंद्र सरकार की मानस पहल से नशा बेचने वाली पर नकेल कसी जाएगी और नशे की लत से जूझ रहे लोगों को मुद्धाधारा में लाने का प्रयास किया जाएगा।

हड़ताल समाप्त होते ही चीका में चला साफाई अभियान

गुहला चीका। नगरपालिका चीका के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त होते ही शहर में विशेष सफाई अभियान शुरू कर दिया गया। नगरपालिका सचिव पवन शर्मा के निर्देश पर शुरू किए गए अभियान के तहत हड़ताल के दौरान प्रभावित हुई सफाई व्यवस्था को सामान्य करने के लिए शहर के विभिन्न वाडों, गलियों, मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा कचरे को प्राथमिकता के आधार पर उठवाया गया। सफाई अभियान का नेतृत्व पालिका सफाई दारोगा हिंसम सिंह,

क्षेत्रीय सहायक मदन शर्मा, नगरपालिका समन्वयक प्रकाश तथा घर-घर कचरा संग्रहण एजेंसी के पर्यवेक्षक कुलदीप ने किया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मौके पर रहकर सफाई कार्य की निगरानी की और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अभियान के दौरान विभिन्न वाडों और प्रमुख स्थानों पर जमा कचरे के ढेरों को हटाकर सफाई करवाई गई। नगरपालिका प्रशासन का लक्ष्य है कि हड़ताल के कारण जिन क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचनाएं

जिन पाठकों को खबर मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य खबर दीया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द

हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट रेस्टोरेंट के सामने, कैथल

फोन : 8295154800, 8295157800, 8814939186, 8814939166, 9253681005

17558 मामले सुनवाई के लिए रखे गए, आपसी सहमति से हुआ त्वरित न्याय

राष्ट्रीय लोक अदालत में 15797 मामलों का निपटारा, 7.14 करोड़ का समझौता

हरिभूमि न्यूज ►►जीद

राष्ट्रीय लोक अदालत ने शनिवार को जीद में त्वरित और सुलभ न्याय की मिसाल पेश की। जिला मुख्यालय स्थित न्यायिक परिसर में आयोजित लोक अदालत में 17558 मामले सुनवाई के लिए रखे गए। जिनमें से 15797 मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। विभिन्न मामलों में कुल सात करोड़ 14 लाख 76 हजार 708 रुपये की राशि का समझौता हुआ। बड़ी संख्या में मामलों के एक दिन में निपटारे से लोगों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आयोजित लोक अदालत की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम चैयरपर्सन पूनम सुनेजा ने की। लोक अदालत



जीद। मामलों का निपटारा करते न्यायाधीश।

फोटो: हरिभूमि

में मोटर वाहन दुर्घटना से जुड़े 50 मामले, हिंदू विवाह अधिनियम के 84 मामले, चेक बाउंस के 297 मामले, दीवानी मामलों के 377 मामले, आपराधिक मामलों के 1648 मामले तथा बैंक ऋण से संबंधित 11 मामलों का निपटारा किया गया। इसके अलावा ई लोके अदालत के माध्यम से दीवानी मामलों के 10 मामले तथा प्रक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 से संबंधित छह मामलों का भी

निपटारा हुआ। ई लोक अदालत के माध्यम से 86 लाख 18 हजार 402 रुपये की राशि प्राप्त हुई। उन्होंने संबंधित पक्षकारों, अधिवक्ताओं, बैंकों और वित्तीय संस्थानों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर मामलों का शीघ्र एवं

आपसी संबंध भी खराब होने से बचते

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी जसबीर ने कहा कि लोक अदालत लोगों को आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण तरीके से विवादों का समाधान कराने का प्रभावी माध्यम उपलब्ध कराती है। इससे समय और धन दोनों की बचत होती है तथा पक्षकारों के बीच आपसी संबंध भी खराब होने से बचते हैं। उन्होंने लोक अदालत के सफल संचालन में सहयोग देने वाले पीठासीन अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ताओं का आभार जताया। जिला प्रशासन एवं पुलिस बिजली विभाग समेत अन्य विभागों के सहयोग की भी सराहना की गई। उन्होंने बताया कि तीन अक्टूबर को चेक बाउंस यानी प्रक्राम्य लिखत अधिनियम से जुड़े मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी।

सौहार्दपूर्ण समाधान कराने की अपील की।



कैथल। सीजेएम कंवल कुमार व अन्य लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में किया 13260 मामलों का निपटारा

- 9.30 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के मामलों का हुआ निपटान

हरिभूमि न्यूज ►►कैथल

न्यायिक परिसर कैथल में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें कुल 26 हजार 842 लंबित मामले सुनवाई के लिए रखे गए, जिनमें से 13 हजार 260 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न आपराधिक, एनआई एक्ट, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन, श्रम विवाद, राजस्व सहित अन्य मामलों में कुल 9 करोड़ 30 लाख 97 हजार 907 रुपये की राशि से संबंधित मामलों का निपटान किया गया। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंचन माही की

ये रहे मौजूद

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए न्यायिक अधिकारियों की अध्यक्षता में विभिन्न बेंचों का गठन किया गया था। इनमें प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय अजय वर्मा; अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनुपमेश मोदी; सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) डॉ. अमन इंद्र सिंह; सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) जैस्मिन कोर; सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) कैथल गगन ठाकुर; सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) कैथल माधव मितल तथा अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) गुहला डिवीजन अक्षय कुमार शामिल रहे।

देखरेख में आयोजित इस राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य अधिक से अधिक मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा कर आमजन को त्वरित एवं सस्ता न्याय उपलब्ध करवाना रहा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने कहा कि लोक अदालत में मामलों का निपटारा पक्षकारों की पारस्परिक सहमति से किया जाता है।

आईटीआई में रोजगार मेला 21 को

- हजारों विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों में चयन का मिलेगा मौका
- कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज ►►कैथल

तकनीकी शिक्षा हासिल करने वाले युवाओं को अब रोजगार का बड़ा मंच मिलने जा रहा है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कैथल में 21 सितंबर को जिला स्तरीय मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में विभिन्न क्षेत्रों की नामी कंपनियों को आमंत्रित किया गया है। कंपनियों की ओर से विद्यार्थियों का चयन उनकी तकनीकी योग्यता, प्रशिक्षण और

जॉब फेयर युवाओं के लिए बेहतर विकल्प

आईटीआई के जिला नोडल अधिकारी स्तौष मट्ठाल ने बताया कि 21 सितंबर को कैथल के राजकीय आईटीआई में लगने वाला मेगा जॉब फेयर युवाओं के लिए अपनी तकनीकी योग्यता के आधार पर बेहतर रोजगार हासिल करने का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। जिले के विभिन्न राजकीय आईटीआई में मेले को सफल बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं।

कंपनियों की पसंद बन रहे तकनीकी प्रशिक्षित युवा

आज के समय में उद्योगों को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जिन्हें काम का व्यावहारिक ज्ञान होने के साथ आधुनिक तकनीक की भी जानकारी हो। आईटीआई में प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को इसी जरूरत के अनुसार तैयार किया जा रहा है।

दक्षता के आधार पर किया जाएगा। आईटीआई में आधुनिक तकनीक के साथ उद्योगों की मांग के अनुरूप विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यही वजह है कि कंपनियों की नजर अब आईटीआई के प्रशिक्षित युवाओं पर है। रोजगार मेले में एक ही

स्थान पर कई कंपनियों से बातचीत और चयन प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिलने से विद्यार्थियों को काफी लाभ होगा। रोजगार मेले को सफल बनाने के लिए जिले के राजकीय आईटीआई में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

- प्रतियोगिता के दूसरे दिन हुए रोमांचक मुकाबले

- तीरंदाजी में हिसार, फरीदाबाद और गुरुग्राम का दबदबा

- हैंडबॉल व वॉलीबॉल में खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार खेल

हरिभूमि न्यूज ►►जीद

59वें हरियाणा राज्य स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को जीद जिले में तीरंदाजी, हैंडबॉल और वॉलीबॉल के रोमांचक मुकाबले हुए। अलग-अलग आयु वर्गों में प्रदेशभर से पहुंचे खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हैंडबॉल के मुकाबले अर्जुन स्टेडियम जीद, तीरंदाजी के



खेल मुकाबलों में भाग लेते हुए टीमें।

मुकाबले इंडस ग्लोबल अकादमी किनाना तथा वॉलीबॉल के मुकाबले नगुरा में करवाए गए। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से एईओ मुनीत बेरवाल ने बताया कि लड़कियों के अंडर 19 वर्ग में जीद ने भिवानी को 13-2, हिसार ने करनाल को 10-2, फतेहाबाद ने पानीपत को 14-3 और कैथल ने कुरुक्षेत्र को 12-7 से हराया। अ



खेल मुकाबलों में भाग लेते हुए टीमें।

मुकाबले इंडस ग्लोबल अकादमी किनाना तथा वॉलीबॉल के मुकाबले नगुरा में करवाए गए। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से एईओ मुनीत बेरवाल ने बताया कि लड़कियों के अंडर 19 वर्ग में जीद ने भिवानी को 13-2, हिसार ने करनाल को 10-2, फतेहाबाद ने पानीपत को 14-3 और कैथल ने कुरुक्षेत्र को 12-7 से हराया। अ

वेदांता बना लीगल लिटरेसी में चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ►►नरवाना

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल, कालौदा खुर्द ने ब्लॉक स्तर की लीगल लिटरेसी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। विद्यालय के 11 विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में स्थान हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या वीणा दारा ने यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रतियोगिता में कुल 10 विधाओं का आयोजन किया गया था और वेदांता के विद्यार्थियों ने सभी विधाओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्या वीणा दारा ने बताया कि विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में तीन प्रथम, दो द्वितीय और तीन तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय के डायरेक्टर



नरवाना। लीगल लिटरेसी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों के साथ प्रबंधन समिति सदस्य।

इंजीनियर प्रदीप नैन ने भी विद्यार्थियों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इसी उत्साह और मेहनत के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने भी विद्यार्थियों और शिक्षकों के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। प्रबंधन ने विश्वास जताया

कि ब्लॉक स्तर की इस शानदार सफलता के बाद विद्यार्थी जिला स्तर पर भी अपना बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे और विद्यालय का नाम और ऊंचा करेंगे। ब्लॉक स्तर पर मिली यह सफलता विद्यार्थियों के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा है। अब सभी की नजर जिला स्तर की प्रतियोगिता पर है, जहां वेदांता के विद्यार्थी और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

फोटो: हरिभूमि

शिविर मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं, प्रत्येक युवा अवश्य करे रक्तदान : रूद्राक्ष मिड्डा

रक्तदान शिविर में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों के लोगों ने रक्तदान कर की मिसाल कायम

- नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस ने माता-पिता की स्मृति में आयोजित किया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ►►जीद

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला द्वारा अपने स्व. पिता दौलतराम व माता शाणी देवी की स्मृति में शनिवार को हिंदू कन्या महाविद्यालय के सामने सेवा सदन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों के लोगों ने एकसाथ रक्तदान कर जहां मिसाल कायम की



जीद। रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए मुख्य अतिथि।

फोटो: हरिभूमि

वहीं शहर के समाजसेवियों, चिकित्सकों, गणमान्य लोगों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया और रक्तदान किया। शिविर में रक्तदान को लेकर

इतना उत्साह था कि एक-एक कर 121 रक्त यूनिट एकत्रित हो गई। शिविर आयोजक डा. भोला व उनके परिवार के सदस्यों ने भी रक्तदान

किया प्रेरित

रक्तदान शिविर में जहां रक्तदाताओं को रक्तदान करने के लिए सम्मानित किया गया वहीं कन्या भूषण हत्या, पर्यावरण संरक्षण, अधिक से अधिक मतदान व कन्या भूषण हत्या न करने को लेकर भी शपथ दिलाई गई है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है। रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य का कार्य नहीं है और हर व्यक्ति खानपकन युवाओं को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

रक्तदान सर्वोपरि

भाजपा युवा नेता रूद्राक्ष मिड्डा ने कहा कि मनुष्य के रक्त की पूर्ति रक्तदान करके ही की जा सकती है। अन्य कोई साधन नहीं है। हमारे द्वारा दान में दिया गया रक्त पता नहीं किसकी जान बचा ले, यह हमें स्वयं का मलुम नहीं होता है। इसलिए प्रत्येक युवा, व्यक्ति को जीवन में कम से कम एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम में सभी मुख्यअतिथियों ने रक्तदाताओं की हौसलाअफजाही करते हुए कहा कि ब्लड डोनेशन के दौरान शारीरिक जांच होती है, जिससे अपने स्वास्थ्य के बारे में पता चलता है। नेगेटिव मानाओं से छुटकारा पाने में मदद मिलती है।

किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पूरी तन्मयता से अपनी ड्यूटी निभाई रक्त का संग्रहण किया।



आवरण कथा  
यामिनी गजानन रामपल्लीवार

भाषा और संस्कृति का रिश्ता कोई ऊपरी बंधन मात्र नहीं होता, वह जड़ और वृक्ष का रिश्ता होता है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी गहरे अर्थ रखती है, क्योंकि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रमाण है। इसकी जड़ें संस्कृत जैसी वैज्ञानिक और अनुशासित भाषा में हैं, जिसने भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी सैकड़ों बोलियों को अपनी सुंदर शाखाओं की तरह जन्म दिया। यह विस्तार किसी एक भाषा की सीमा नहीं, बल्कि एक पूरे उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का फैलाव है।

### भाषा से जुड़ी देश की पहचान

14 सितंबर को जब हम हिंदी दिवस मनाते हैं, तो यह अवसर केवल एक तिथि का उत्सव नहीं होना चाहिए। यह अवसर रुककर यह सोचने का भी हो कि हमने इस भाषा को कितना जिया है और कितना केवल औपचारिकता में समेट दिया है? इतिहास गवाह है कि जब कवि इकबाल ने लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्त' हमारा।' तब उन्होंने भाषा और राष्ट्र की पहचान को एक ही सांस में बांध दिया था। उनकी यह पंक्ति आज भी उतनी ही सार्थक है, क्योंकि जिस भाषा की पहचान हिंद महासागर के तट से लेकर हिमालय की चोटियों तक फैली हो, वह भाषा किसी परिचय की मोहताज नहीं।

### शब्दों में सदियों की साधना

हिंदी का यह वैभव किसी एक कवि या रचनाकार की देन नहीं, बल्कि सदियों की साधना का परिणाम है। तुलसी ने इसे भक्ति की मिठास दी, सूर ने इसमें वात्सल्य का रस घोला, कबीर ने इसे सीधी और निर्भीक वाणी दी और निराला ने इसमें विद्रोह और नवीनता का स्वर भरा। इन सबने मिलकर हिंदी को वह समृद्धि दी, जो आज भी हर हिंदुस्तानी की रग-रग में बहती है। यही कारण है कि हिंदी को केवल एक भाषा कहना उसके साथ अन्याय होगा, वह तो भावनाओं की वह साझी विरासत है, जिसमें देश की विविधता खुद को सहज पाती है।



## जन-मन में बसती है हिंदी

किताबों के पन्नों पर पढ़े जाने से पहले, भाषणों में, कहीं सुने जाने से पहले, गुंजी थी वो मेरे कानों में। जैसे गुंजी थी अभिमान्यु के कानों में चक्रव्यूह भेदने की कला। फिर अकसर गुंजती री री रही वो, मां की आवाज में। लोरी में, और पिता की डांट में छिपे दुलार में भी। और उनके कई अनकहे भय के बीच, लौलसा देने वाले संसार में भी। उसने तब भी गले लगाया था मुझे जब मैं नहीं जानती थी उसके व्याकरण का कोई नियम। क्योंकि यह उसके और मेरे बीच के

उन रिश्तों की गर्माहट है, जिन्हें परिभाषित नहीं कर सकता कोई शब्दकोश। वो मेरे आंगन में बिखरी सुबह की धूप है। सर पर बनी रहने वाली, ममता की छांव है। दादी की कलनी में हर बार आता हुआ कोई पुराना गांव है। वो और कोई नहीं मेरी हिंदी है। जिसमें बसी है कबीर की निर्भीकता, तुलसी की लोक-गंध की खुशबू प्रेमचंद के पागों का संघर्ष, महादेवी की करुणा, और निराला की विद्रोही चेतना। क्योंकि मेरी हिंदी ने बनाया है राजमहलों से अधिक जन-मन में अपना घर।

## विशेष: हिंदी दिवस, 14 सितंबर

हर साल 14 सितंबर के आस-पास सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़ा शुरू होता है, मंचों से हिंदी की महिमा गाई जाती है और अपनी भाषा पर गर्व करने की बातें होती हैं। लेकिन इन औपचारिकताओं से आगे बढ़कर हमें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम अपनी रोजमर्रा के जीवन में हिंदी को सचमुच सम्मान देते हैं? उससे प्यार करते हैं?

# हमारे हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी

### समावेशी भाषा है हिंदी

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हिंदी की श्रेष्ठता का यह अर्थ कभी नहीं कि अन्य भाषाओं या बोलियों को कमतर आंका जाए। हिंदी का असली गौरव इसी में रहा है कि उसने सदा दूसरी भाषाओं और बोलियों को अपनाया, उनसे शब्द लिए और उन्हें भी फलने-फूलने का अवसर दिया। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली और राजस्थानी जैसी बोलियां हिंदी की प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसकी शक्ति हैं। इसी समावेशी स्वभाव के कारण हिंदी हर हिंदुस्तानी के मन में अपना स्थान बना पाई है।

### कहां हैं झिझक की जड़ें

यह विदंबना ही है कि आज कुछ लोगों को हिंदी बोलते हुए झिझक या कमतरी का एहसास होता है। यह झिझक कहां से आती है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बड़े शहरों के कॉर्पोरेट



कार्यालयों में, महानगरों की पार्टियों में और यहां तक कि कुछ शिक्षित परिवारों में भी हिंदी बोलने को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा है। अंग्रेजी में दक्षता आवश्यक है, इसमें कोई संदेह नहीं, क्योंकि वह आज वैश्विक संपर्क की भाषा बन चुकी है। परंतु किसी दूसरी भाषा को

सीखने और अपनी भाषा को त्यागने में बुनियादी अंतर है। जब यह अंतर धुंधला पड़ने लगता है, तभी भाषा का यह संकट जन्म लेता है। बरसों पहले मेरे एक पारिवारिक समारोह में एक किशोर अपनी दादी से अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करने लगा, टूटे-फूटे शब्दों में, केवल इसलिए कि साथ बैठे उसके अंग्रेजी-माध्यम के मित्र उसे 'देसी' न समझें। दादी ठहरकर मुसकुराई और बोलीं, 'बेटा, जिस भाषा में मैंने तुझे कहानियां सुनाईं, उसी में बात कर, शर्म किस बात की?'

उस किशोर की दादी के एक वाक्य ने पूरा वातावरण बदल दिया। गहराई से सोचें तो स्पष्ट होता है, वह झिझक केवल उस बच्चे की नहीं थी, वह उस पूरी पीढ़ी की झिझक थी, जिसे यह सिखाया गया कि तरक्की अंग्रेजी की जुबान से होकर गुजरती है और अपनी भाषा पीछे छूट जाने वाली चीज है। यह संकट केवल

भाषाई नहीं, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक भी है। जो व्यक्ति अपनी मातृभाषा बोलने में संकोच करता है, वह धीरे-धीरे अपनी जड़ों से भी दूर होता चला जाता है। हमें इस बात को समझना होगा कि भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह सोचने की एक शैली होती है, संस्कारों की आगे बढ़ाने का माध्यम होती है। जब बच्चा अपनी दादी की कहानियां, लोरियां हिंदी में नहीं सुन पाता, जब वह लोकगीतों की लय से अपरिचित रह जाता है, तो वह केवल एक भाषा नहीं खोता, अपने भीतर की एक पूरी दुनिया खो देता है।

### सभी करें हिंदी का सम्मान

यह कहना उचित होगा कि भाषा का अपमान केवल उस भाषा का अपमान नहीं, वह पूरी संस्कृति का अपमान है। जिस तरह किसी वृक्ष की जड़ों को काटकर उसकी शाखाओं की हरियाली की उम्मीद नहीं की जा सकती, उसी तरह अपनी भाषा से कटकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखने की कल्पना भी अधूरी रह जाती है। यह प्रवृत्ति बदलनी चाहिए और इसके लिए किसी बड़े आंदोलन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यावहारिक प्रयासों की आवश्यकता है। घर के भीतर बच्चों से हिंदी में बात करना, कार्यस्थल पर जहां संभव हो वहां हिंदी को सहजता से अपनाना, हिंदी साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की मजबूरी न मानकर आनंद के लिए साहित्यिक किताबें पढ़ना, ऐसे ही अनेक छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

### संकल्प लेने का दिन हिंदी दिवस

आज जब हिंदी दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों में औपचारिक समारोह होंगे, भाषणों में हिंदी की महिमा गाई जाएगी, तब यह प्रश्न स्वयं से पूछना जरूरी है कि क्या हमने इस भाषा को अपने दैनिक जीवन में उताना सम्मान दिया, जितना वह हकदार है। हिंदी को बचाने की जिम्मेदारी किसी एक दिन या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसे अपनी भाषा मानता है। हिंदी दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, संकल्प का दिन बने, यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक हम अपनी भाषा बोलने में गर्व का अनुभव नहीं करेंगे, तब तक उसकी समृद्ध विरासत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसलिए आइए, इस हिंदी दिवस पर केवल उत्सव नहीं, आत्मनिरीक्षण भी करें और अपनी भाषा को उसका वास्तविक सम्मान लोटाएं। \*

## लंग्य / गोविंद भारद्वाज

सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन धीरे-धीरे जाए-जाए तरीके से गड़बड़ी आरंभ हो जाती है।

## गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं



लुटेरों, बदमाशों, उठाईगीरों या जमाखोरों, भ्रष्टाचारियों, रिश्ततखोरों, बलात्कारियों या मिलावटखोरों के लिए चेतावनी दी गई या आम नागरिकों के लिए। खैर यह जुमला असरदार हो न हो पर लोगों को दिलासा दिलाए रखने के लिए कहना जरूरी है। हालांकि गड़बड़ी करता कौन है, ये विषय शोध का है। \*

## परीक्षा

हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय मैं पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आई। पापा निकाले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्षा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रीबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्षा में बैठ गई। मुझे लगा पुलिस इम्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है। \*

-हरिश कुमार 'अमित'

## विशेष: गणेश चतुर्थी



## परंपरा-आस्था का संगम महापर्व गणेशोत्सव



गणेश चतुर्थी से आरंभ होने वाला गणेशोत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं है। इसकी जड़ें भारत की परंपरा, इतिहास और संस्कृति से भी जुड़ी हैं। इस पर्व का आरंभ सामाजिक समारोहों के रूप में कब और कैसे हुआ, आप जरूर जानना चाहेंगे।

### सांस्कृतिक पर्व / शिखर चंद जैन

गणेश चतुर्थी का त्योहार भारतीय जनमानस के हृदय में अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। यद्यपि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी (14 सितंबर) को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना और अनंत चतुर्दशी को उनके विसर्जन का दृश्य हर वर्ष भारत के कोने-कोने में दिखाई देता है, परंतु इस महापर्व के कई ऐसे पहलू हैं, जो बहुधा लोकस्मृति या सामान्य वार्ताओं से परे छूट जाते हैं। यह उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड, ढोल-नगाड़ों और सुंदर झांकियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मूल में राजनीति, समाज, प्राचीन भूगोल, खगोल विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें जुड़ी हुई हैं। गणेश चतुर्थी भारत की उस अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो अध्यात्म को समाज सेवा से, इतिहास को भविष्य की सोच से और धर्म को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है।

**तिलक की दूरदर्शी सामाजिक पहल:** गणेश चतुर्थी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और 18वीं शताब्दी में पेशवाओं के काल में इसे पुणे में राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता था। आधुनिक भारत में इसका स्वरूप पूरी तरह से बदलने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को जाता है। वर्ष 1893 में तिलक ने इसे निजी गृह-पूजा के बंद कमरों से निकालकर 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' का रूप दिया। ब्रिटिश हुकूमत के दौर में 'वर्नाकुलर प्रेस एक्ट' और अन्य कठोर कानूनों के कारण भारतीयों के लिए राजनीतिक सभाएं करना या सामाजिक मुद्दों पर एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित था। तिलक ने भांप लिया कि अंग्रेज शासक धार्मिक सम्मेलनों में सीधे हस्तक्षेप करने से डरते हैं। अतः उन्होंने गणेशोत्सव को एक सांस्कृतिक और सामाजिक मंच बनाया। पंडालों में स्वतंत्रता संग्राम के विचारों, स्वदेशी आंदोलनों और समाज सुधारों पर चर्चा होने लगी। इस प्रकार, एक धार्मिक उत्सव औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ जनक्रांति का प्रतीक बन गया।

**जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:**

आधुनिक समय में विसर्जन के कारण होने वाले जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की जाती है, लेकिन पुराने दौर में गणेश प्रतिमा का निर्माण और उसका जल-विसर्जन एक अत्यंत वैज्ञानिक और पर्यावरणीय प्रक्रिया थी। पारंपरिक रूप से, गणेश प्रतिमाएं केवल शुद्ध चिकनी मिट्टी (शाड़ू माटी) से बनाई जाती थीं। इसमें हल्दी, चंदन, भस्म और कुमकुम का लेप किया जाता था। मानसून के अंत में जब नदियां और तालाब नए पानी से भर जाते थे, तब इन मिट्टी की मूर्तियों को जल में विसर्जित किया जाता था। मिट्टी, जल निकायों के समृद्ध करती थी, जबकि हल्दी और चंदन प्राकृतिक एंटीसेप्टिक तथा जीवाणुरोधक के रूप में पानी को शुद्ध करते थे। यह प्राचीन परंपरा वास्तव में वर्षा ऋतु के बाद जल स्रोतों के वैज्ञानिक कायाकल्प का माध्यम थी।

**मोदक का औषधीय महत्व:** गणेश जी को 'मोदक प्रिय' कहा जाता है, लेकिन मोदक केवल एक स्वादिष्ट मिठाई नहीं है। इसका निर्माण आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित है। पारंपरिक रूप से भाद्रपद (सितंबर) के महीने में उकड़ीचे मोदक (भाप में पके हुए मोदक) बनाए जाते हैं। मानसून के खत्म होने और शरद ऋतु के आगमन के समय शरीर में 'पित्त' दोष बढ़ने की संभावना होती है। मोदक के बाहरी आवरण में चावल का आटा और अंदर गुड़, ताजा कसा हुआ नारियल, जायफल और इलायची का मिश्रण होता है, जिसे शुद्ध देशी घी के साथ परोसा जाता है। नारियल और गुड़ पेट की अग्नि को शांत करते हैं और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। इस तरह मोदक का भोग ऋतु परिवर्तन के दौरान स्वास्थ्य की रक्षा करने वाला एक आयुर्वेदिक आहार है।

**समृद्ध करे सांस्कृतिक परिदृश्य:** भारत के कला और सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करने में गणेशोत्सव ने एक 'अदृश्य अकादमी' के रूप में भूमिका निभाई है। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में सार्वजनिक पंडालों द्वारा संगीत संध्याएं, नाटक (नाट्य संगीत), लोककलाएं (जैसे लावणी, गोंधल) और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस तरह इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। \*

## पुस्तक चर्चा / विज्ञान गूण

## संगीतमय जीवन

विख्यात खयाल गायिका गंगूबाई हंगल की आत्मकथा कई वर्ष पहले कन्नड़ भाषा में प्रकाशित हुई थी। हाल में ही उसका हिंदी अनुवाद 'जीवन संगीत' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। यह आत्मकथा सामाजिक उपेक्षाओं, पारिवारिक समस्याओं और आर्थिक संकटों के बीच रहकर संगीत को समर्पित एक



कलाकार की साधना यात्रा है। गंगूबाई हंगल ने कई स्थलों पर स्वीकार किया है कि उनकी मां के त्याग और उनके गुरुओं के सही मार्गदर्शन ने ही उन्हें इतनी प्रतिष्ठा दिलाई। यही नहीं वे पूरी विनम्रता से हर उस शख्स के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती दिखाई देती हैं, जिन्होंने किसी भी रूप में उनकी संगीत साधना में जरा भी सहयोग प्रदान किया था। हालांकि कुछ स्थलों पर उनके मन में समाई टीस प्रकट हुई है। जातिगत भेदभाव पर अपने अतीत की याद करते हुए वह कहती हैं, 'अगर हम लोग किसी ऊंची जाति के घर खाना खाने जाते थे तो हमें खुद अपने बर्तन मांजने पड़ते थे।' किशोरावस्था में ही विवाह कर

दिए जाने और उसके कुछ समय बाद ही मां-पिता के निधन होने के बावजूद गंगूबाई ने कभी अपनी संगीत साधना में व्यवधान नहीं आने दिया। इसी का परिणाम रहा कि वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उपलब्धियों के सोपानों पर अग्रसर रही और अद्वितीय प्रतिष्ठा प्राप्त की। इस आत्मकथा में कहीं भी आत्मश्लाघा का भाव नजर नहीं आता है। वे अपने सभी प्रशंसक संगीत प्रेमियों, विभिन्न सम्मानों से नवाजने के लिए सरकार के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित करती हैं। \*

पुस्तक: जीवन संगीत- गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), अनुवाद: मृत्युंजय, मूल्य: 199 रुपये, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

## लघुकथाएं

अविनाश पुलिस महकमे का वरिष्ठ स्केच आर्टिस्ट था। उसके हाथों से बने खाके कभी गलत नहीं होते थे। एक शाम, एक सहमी हुई बुजुर्ग महिला उसके घर में हुई डकेती के गवाह के तौर पर एक शख्स का हुलिया बताने पहुंची। अविनाश ने कागज पर पेंसिल टिकाई। जैसे-जैसे महिला उस शख्स के माथे के कंठे निशान, तीखी नाक और गहरी आंखों का ब्योरा देने लगी, अविनाश की अंगुलियां कांपने लगीं। कैनवास पर उसके अपने इकलौते बेटे का चेहरा उभर रहा था। अविनाश के भीतर भयंकर द्वंद छिड़ गया, एक कलाकार की निष्ठा और बाप के मोह के बीच। क्या वह लकीरों को बदलकर अपने बेटे को बचा ले? उसने भारी मन से, बिना कोई हेर-फेर किए बिल्कुल हूबहू वैसा चेहरा उकेरा, जैसा महिला ने बताया था और ड्राइंग शीट पुलिस अप्रमसर की ओर बढ़ा दिया। तभी महिला स्केच देखकर रोते हुए बोली, 'हां साहब! यही वो जीवांज लड़का है, जिसने डकेतों से भिड़कर मेरी जान बचाई। अस्पताल में बेहोश पड़ा है, इसके घर खबर करवा दो।' अविनाश की कांपती अंगुलियों से पेंसिल छूटकर गिर गई। \*

-देवेंद्रराज सुथार

इनोवेशंस

शिखर चंद्र जैन

आज हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां इंजीनियरिंग केवल पुलों, इमारतों या पारंपरिक मशीनों के निर्माण तक सीमित नहीं है।

अब इंजीनियरिंग एआई, क्वांटम फिजिक्स, बायो टेक्नोलॉजी और जीरो कार्बन एमिशन टेक्नीक पर काम कर रही है। आज इंजीनियरिंग पर हो रहे काम दर्शाते हैं कि आज का इंजीनियर केवल एक निर्माता नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता का रक्षक भी है। सर एम. विश्वेश्वरैया ने जिस दूरदर्शिता की नींव रखी थी, आज की पीढ़ी के इंजीनियर्स उसे अंतरिक्ष से लेकर नैनो-टेक्नोलॉजी तक फैला रहे हैं।

**स्ट्रक्चरल बैटरी कंपोजिट्स:** पारंपरिक इलेक्ट्रिक वाहनों में बैटरी का वजन सबसे बड़ी समस्या रहा है। वर्ष 2025-2026 में कमलिथियल स्तर पर उभरी ‘स्ट्रक्चरल बैटरी’ तकनीक ने इस समस्या का समाधान ढूंढ निकाला। इस इंजीनियरिंग नमूने में, वाहन की बॉडी (जैसे कार की छत या दरवाजे) को ही बैटरी बना दिया जाता है। इसके लिए कार्बन फाइबर को इलेक्ट्रोड के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जो संरचनात्मक मजबूती भी



स्ट्रक्चरल बैटरी कंपोजिट्स

देता है और ऊर्जा भी स्टोर करता है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों का वजन 40 प्रतिशत तक कम हो गया है और उनकी रेंज दोगुनी हो गई है। यह तकनीक विमानन और स्मार्टफोन इंजीनियरिंग में भी गेम-चेंजर साबित हो रही है।

**हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन:** भारतीय रेलवे ने पर्यावरण के अनुकूल परिवहन में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है।

इंजीनियरों ने पूरी तरह से स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन का सफल संचालन शुरू कर दिया है। यह ट्रेन वायुमंडल से ऑक्सीजन और

अपने टैंक से हाइड्रोजन लेकर बिजली पैदा करती है। इस प्रक्रिया में उप-उत्पाद के रूप में केवल पानी और भाप निकलती है। यह पूरी तरह से शून्य-कार्बन उत्सर्जन पर आधारित है।

उपयोगी वृक्ष

वीना गौतम

रामफल का वैज्ञानिक नाम ‘एनोना रेटीकुलटा’ है। इसका अंग्रेजी नाम ‘बुलक्स हार्ट’ और ‘कस्टर्ड एप्पल’ है। यह एनोनासी परिवार का पर्णपाती छोटा फलदार वृक्ष है। रामफल की खेती भले अभी बड़े पैमाने पर न होती हो, लेकिन पिछले एक दशक में जिस तरह इसकी मांग बढ़ी है, उसे देखते हुए यह किसानों की आर्थिक आय बढ़ाने के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

**सीताफल से अलग रामफल:** रामफल और सीताफल दोनों अलग-अलग फल होते हैं। हां, ये एक ही परिवार के होते हैं। रामफल आकार में बड़ा लाल या भूरे रंग का तथा अधिक मुलायम गूदे वाला होता है।

**कहां पाया जाता है:** भारत में रामफल के पेड़ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, बंगाल, उत्तर प्रदेश के कुछ भागों, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, राजल और बिहार में पाए जाते हैं।

**सहत के लिए लाभदायक:** रामफल में विटामिन सी, विटामिन ए, पोटेशियम, मैग्नीशियम और भरपूर मात्रा में डाइटरी फाइबर होता है। यह अत्यंत पाचक, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक, त्वचा के लिए लाभदायक तथा दिल को स्वस्थ रखने में अत्यंत मददगार होता है।



बदलाव

लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब किताब पढ़ना एकांत का आनंद माना जाता था। पाठक किताब खोलता था, दुनिया से कुछ घंटों के लिए कट जाता था और लेखक की बनाई गई काल्पनिक दुनिया में डूबता-उतरता रहता था। लेकिन आज ऐसे गिने-चुने पाठक ही बचे हैं। आज ज्यादातर पाठक मोबाइल स्क्रीन पर कभी ई-बुक पढ़ते हैं, कभी किसी कहानी का ऑडियो सुनते हैं, कभी किसी कविता की कुछ पंक्तियां सोशल मीडिया पर पढ़कर आगे बढ़ जाते हैं। ऐसे में सवाल यह है, क्या पाठकों की संख्या कम हो रही है?

**बढ़ी है पाठकों की संख्या:** इंटरनेट एंड मोबाइल एप्लिकेशन ऑफ इंडिया और वैश्विक मोबैट रिसर्च कंपनी कांटर की 2024 की एक ‘इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट’ के मुताबिक भारत में 58 फीसदी इंटरनेट के उपयोगकर्ता किसी न किसी रूप में भारतीय भाषाओं की सामग्री का इस्तेमाल कर रहे थे। जबकि शहरी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में 57

देश-दुनिया की तस्वीर बदलने वाले

इंजीनियरिंग के कमाल

हमारे देश में हर साल 15 सितंबर को महान इंजीनियर भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती को ‘इंजीनियर्स डे’ के रूप में मनाया जाता है। यह दिन मानव जीवन को सुगम बनाने वाले इंजीनियरों के इनोवेशन और परिश्रम को समर्पित है। इस मौके पर हाल के वर्षों में विकसित हुए और चलन में आने वाले कुछ ऐसे इंजीनियरिंग इनोवेशंस पर नजर, जो मानव जीवन और देश-दुनिया की तस्वीर पूरी तरह बदल रहे हैं।



**स्केलेबल क्वांटम कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर:** कंप्यूटर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सुपर कंप्यूटर की सीमाएं समाप्त हो रही हैं। 2026 तक सिलिकॉन आधारित क्वांटम चिपस ने प्रयोगशालाओं से निकलकर डेटा केंद्रों में जगह बनाना शुरू कर दिया है। पारंपरिक कंप्यूटर के ‘बिट्स’ (0 और 1) के बजाय यह ‘क्यूबिट्स’ पर काम करता है जो सुपरपोजिशन के कारण एक साथ 0 और 1 दोनों हो सकते हैं। इन्हें स्थिर रखने के लिए क्रायोजेनिक कूलिंग इंजीनियरिंग का उपयोग किया जाता है। जो जटिल गणनाएं सामान्य सुपरकंप्यूटर को करने में 10,000 साल लगते, उन्हें यह क्वांटम आर्किटेक्चर कुछ ही सेकेंड में हल कर देता है।

**बायोहाइब्रिड रोबोटिक्स:** यह मैकेनिकल इंजीनियरिंग और बायोलॉजी का एक अभूतपूर्व मेल है। 2025 के अंत में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने ऐसे रोबोट विकसित किए हैं, जो केवल धातु या प्लास्टिक से नहीं, बल्कि जीवित कोशिकाओं

से चलते हैं। 3डी-प्रिंटेड सिंथेटिक कंकाल पर प्रयोगशाला में विकसित की गई चूहे या संवर्धित मानव की मांसपेशियों की कोशिकाएं लगाई जाती हैं। इन्हें विद्युत या प्रकाश संकेतों के माध्यम से सिकोड़ा और फैलाया जाता है।

ये रोबोट बेहद लचीले होते हैं। चिकित्सा क्षेत्र में ये नैनो-रोबोट क्रांतिकारी हैं।

**महासागर थर्मल ऊर्जा रूपांतरण:** नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सौर और पवन ऊर्जा के बाद यह सबसे बड़ा इंजीनियरिंग नमूना बनकर उभरा है। यह तकनीक समुद्र की सतह के गर्म पानी (लगभग 25 डिग्री सेंटीग्रेड) और गहराई के ठंडे पानी (लगभग 5



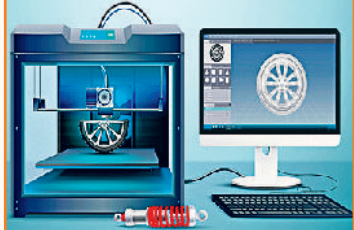
महासागर थर्मल ऊर्जा रूपांतरण

डिग्री सेंटीग्रेड) के बीच के तापमान के अंतर का उपयोग करके टरबाइन चलाती है और बिजली पैदा करती है। सौर ऊर्जा के विपरीत, यह रात में भी 24 घंटे लगातार बिजली दे सकती है। साथ ही, इस प्रक्रिया से शुद्ध पीने योग्य पानी भी प्राप्त होता है।

**डिजिटल ट्विंस आर्किटेक्चर:** इसके तहत मेगास्ट्रक्चर (जैसे गगनचुंबी इमारतें और स्मार्ट सिटी) का निर्माण सीधे जमीन पर नहीं, बल्कि पहले वर्चुअल स्पेस में होता है। ‘डिजिटल ट्विन’ तकनीक के माध्यम से पूरी

इमारत का एक सटीक डिजिटल रूप तैयार किया जाता है। इसके बाद जेनरेटिव एआई उस पर भूकंप, चक्रवात और अत्यधिक गर्मी के हजारों सिमुलेशन रन करता है। इससे निर्माण शुरू होने से पहले ही डिजाइन की कमियों को दूर कर लिया जाता है।

**4डी प्रिंटिंग तकनीक:** 3डी प्रिंटिंग से आगे बढ़ते हुए, इस वर्ष 4डी प्रिंटिंग ने विनिर्माण क्षेत्र में तहलका मचा दिया है। इसके तहत ऐसी ‘स्मार्ट’ सामग्रियों को प्रिंट किया जाता है, जो पर्यावरण (जैसे तापमान, नमी या प्रकाश) के बदलने पर अपना आकार बदल लेती हैं।



4डी प्रिंटिंग तकनीक

उदाहरण के लिए, पानी के पाइप जो खुद ही सिकुड़ या फैल सकते हैं।

**स्पेस डिब्री कैप्चर सिस्टम:** अंतरिक्ष में तेरता कचरा (पुराने उपग्रहों के टुकड़े) मानव जाति के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। एयरोस्पेस इंजीनियरों ने 2025-2026 में सक्रिय मलबे को हटाने के सफल रोबोटिक मिशन को अंजाम देना शुरू कर दिया है। इन प्रणालियों में चुंबकीय जाल, रोबोटिक आर्म्स और लेजर-असिस्टेड गाइडेड सिस्टम का उपयोग किया जाता है, जो अंतरिक्ष में तेरते मलबे को पकड़कर पृथ्वी के वायुमंडल में लाकर सुरक्षित रूप से जला देते हैं।

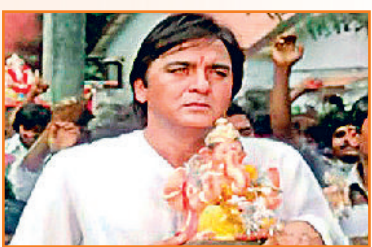
**सेल्फ हीलिंग कंक्रीट:** सिविल और केमिकल इंजीनियर्स ने मिलकर ऐसे ‘जीवित’ कंक्रीट का बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया है, जो सड़क की दरारें खुद भर लेता है। कंक्रीट के मिश्रण में विशेष बैक्टीरिया और पोषक तत्वों के कैप्सूल मिलाए जाते हैं। जब कंक्रीट में दरार आती है और पानी अंदर जाता है, तो ये बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं और चूना पत्थर का उत्पादन करके दरार को सील कर देते हैं। इस तरह ये इनोवेशंस क्रांतिकारी कहे जा सकते हैं। \*

सिने ट्रेंड

हेमंत पाल

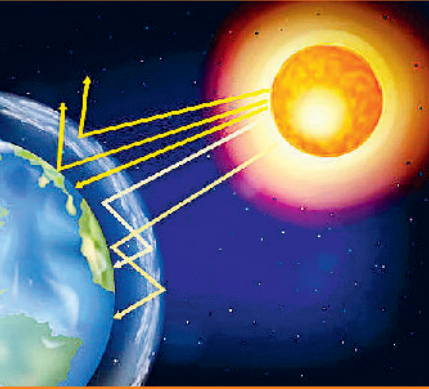
फिल्मों में भक्ति आधारित कहानियों का नाता उतना ही पुराना है, जितना भारतीय फिल्म उद्योग का इतिहास। जब मूक सिनेमा का दौर समाप्त हुआ और सवाक फिल्मों का आगमन हुआ, तब पौराणिक कथाओं और देवताओं की स्तुति को फिल्मी कहानियों का केंद्र बनाया गया। फिल्मों के कथानक में समय-समय पर अनेक देवी-देवताओं की पौराणिक कथाओं को फिल्माया जाता रहा है। ब्लैक एंड व्हाइट दौर से लेकर आज के आधुनिक मल्टीप्लेक्स सिनेमा तक, जिन देवताओं की सबसे अधिक वंदना और भक्ति पदों पर दिखाई दी, उनमें विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश भी शामिल हैं।

**विघ्न नाश के दृश्यों में श्री गणेश:** भारतीय संस्कृति में गणेश जी प्रथम पूज्य माने जाते हैं। फिल्मों में भी इस आस्था से जुड़ी परंपरा का पालन किया। किसी भी बड़े मिशन, पारिवारिक कहानी, एक्शन ड्रामा या थ्रिलर में संकट के निवारण या नई शुरुआत के लिए फिल्मों में अकसर प्रथम पूज्य गजानन की वंदना दिखाई जाती रही है। गणेश जी के गीत अकसर फिल्म के मुख्य नायक के बड़े संकल्प, समाज के



‘दरद का रिश्ता’ का गीत ‘गणपति बप्पा मोरया’

एकत्रीकरण या फिर किसी विशाल आयोजन को स्थापित करने के लिए रचे जाते रहें हैं। गणेश जी का रूप विघ्नहर्ता का है, इसलिए कई बार फिल्म की कहानी में जब कोई बड़ा संकट आता है या किसी बड़े मिशन का शुरुआत होती है तो पटकथा लेखक गणेश वंदना का सहारा लेते हैं। **शुरुआती फिल्मों में श्री गणेश:** शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट दौर में ‘श्री गणेश महिमा’ और ‘श्री गणेश विवाह’ जैसी धार्मिक फिल्मों से शुरू हुआ भगवान गणेश के गुणगान का सफर व्यावसायिक सिनेमा के ताने-बाने में इस तरह रचा-बसा कि गणपति केवल मंदिर के दृश्य तक सीमित न रहकर सीधे कथानक का हिस्सा बनते रहे हैं। ब्लैक एंड व्हाइट और क्लासिक दौर में गणेश वंदना का रूप पारंपरिक और शास्त्रीय रहा करता था। ‘श्री गणेश विवाह’ का प्रसिद्ध गीत ‘जय वंदन गिरिजा के नंदन’ या ‘हमसे बढ़कर कौन’ का कालजयी गीत ‘देवा हो देवा गणपति देवा, तुमसे बढ़कर कौन’ जैसे गीत दर्शकों को



हमारी धरती के वायुमंडल में मौजूद ओजोन परत, धरती के लिए सुरक्षा कवच की तरह है। सूर्य की यूवी किरणों से बचाव के साथ ही यह ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में भी मददगार है। सो इसकी सुरक्षा के लिए सभी का अवेयर रहना जरूरी है।

सुरक्षित पृथ्वी के लिए जरूरी

ओजोन परत की सुरक्षा

अवेयरनेस

अंजु जैन

हर साल 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस (वर्ष 1987 में ओजोन सुरक्षा को लेकर हुए ‘मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल’ पर सहमति की वर्षगांठ पर) मनाया जाता है। इस वर्ष ओजोन दिवस की थीम ‘ठंडे ग्रह के लिए ग्लोबल एक्शन’ डिसाइड की गई है। यह थीम दर्शाती है कि ओजोन परत न केवल यूवी (पराबैंगनी) किरणों से हमारी रक्षा करती है, बल्कि यह ग्लोबल वार्मिंग को कम करके हमारे ग्रह को ठंडा रखने में भी बड़ी भूमिका निभाती है।

**ओजोन परत का महत्व:** ओजोन परत, वातावरण के समताप मंडल में स्थित गैस की एक परत है, जो सूर्य की हानिकारक यूवी विकिरण को अवशोषित करती है। यदि यह परत पतली हो जाए, तो पृथ्वी की सतह पर पराबैंगनी किरणें सीधे पहुंचेंगी,

जिससे न केवल जीवन पर संकट मंडराएगा बल्कि पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ने से कई समस्याएं भी पैदा होंगी। 2026 की थीम का ‘कूलर प्लेनेट’ यानी ठंडे ग्रह पर ध्यान केंद्रित करना यह याद दिलाता है कि ओजोन की सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करना एक-दूसरे से संबंधित हैं।

**ट्रेप्चर कंट्रोल है जरूरी:** बढ़ते शहरीकरण और लगातार उच्च होते तापमान के कारण, रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसी कूलिंग तकनीकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। भोजन को सड़ने से बचाने, जीवन रक्षक दवाओं और टीकों को सुरक्षित रखने (कोल्ड चेन बनाए रखने) और गर्म मौसम में इंसानी कार्यक्षमता को बनाए

रखने के लिए कूलिंग अनिवार्य है। लेकिन विरोधाभास यह है कि कूलिंग सिस्टम भारी मात्रा में बिजली की खपत करती हैं और उनमें इस्तेमाल होने वाली गैसें पर्यावरण को गर्म करती हैं। इसलिए 2026 की थीम ‘कूलिंग’ पर जोर देती है, जिसका अर्थ है ऐसी कूलिंग तकनीकें विकसित करना जो कम एनर्जी खपत करें और ग्लोबल वार्मिंग को न बढ़ाएं।

**ग्रीन रेफ्रिजेंट्स का उपयोग:** ‘एक ठंडे ग्रह के लिए वैश्विक कार्रवाई’ का लक्ष्य बिना तकनीकी इनोवेशन के हासिल नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने अमोनिया, कार्बन डाईऑक्साइड और हाइड्रोकार्बंस (जैसे प्रोपेन और आइसोब्यूटेन) जैसे नेचुरल रेफ्रिजेंट्स के उपयोग के तरीके बताए हैं, जो पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते। इसके अतिरिक्त हाइड्रोफ्लूरोओलेफिन जैसी नई पीढ़ी की सिंथेटिक गैसों का आविष्कार हुआ है, जिनका

वायुमंडलीय जीवनकाल बहुत कम होता है। इन इनोवेशंस ने एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन उद्योगों को इकोफ्रेंडली समाधानों की ओर मोड़ने में मदद की है। **भारत की महत्वपूर्ण भूमिका:** भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है, जिसने 2019 में एक व्यापक ‘इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान’ लॉन्च किया था। यह प्लान 2026 की थीम के लक्ष्यों के साथ पूरी तरह मैच करता है। इस एक्शन प्लान का उद्देश्य अगले 20 वर्षों में सभी क्षेत्रों में कूलिंग की मांग को 20 से 25 प्रतिशत तक कम करना, रेफ्रिजरेटर और एसी के लिए ऊर्जा आवश्यकताओं को घटाना और कूलिंग केमिकल्स के स्वदेशी और टिकाऊ ऑप्शंस को बढ़ावा देना है। \*

हम सभी निभाएं अपनी जिम्मेदारी

एक ठंडे ग्रह के निर्माण की जिम्मेदारी सिर्फ सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं या बहुराष्ट्रीय कंपनियों की नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। एक जागरूक नागरिक के रूप में हम निम्नलिखित कदम उठा सकते हैं-  
► एसी या रेफ्रिजरेटर खरीदते समय हमेशा उच्च ऊर्जा दक्षता रेटिंग (स्टार लेबलिंग) और ओजोन-सुटेबल तकनीक वाले उपकरण ही चुनें।  
► अपने कूलिंग उपकरणों की नियमित सर्विसिंग कराएं ताकि रेफ्रिजरेटर गैसों की लीकेंज (रिसाव) को रोका जा सके।  
► अपने वाहनकूलित (एसी) उपकरणों को अत्यधिक कम तापमान (जैसे 18 डिग्री सेंटीग्रेड) के बजाय एक आरामदायक और ऊर्जा-बचत वाले तापमान (जैसे 24 डिग्री से 26 डिग्री सेंटीग्रेड) पर चलाएं।  
► पुराने और खराब हो चुके कूलिंग उपकरणों जैसे-फ्रिज और एयर कंडीशनर का डिस्पोजल, केवल प्रमाणित ई-वैस्टरज रीसाइकलर्स के माध्यम से ही करें।

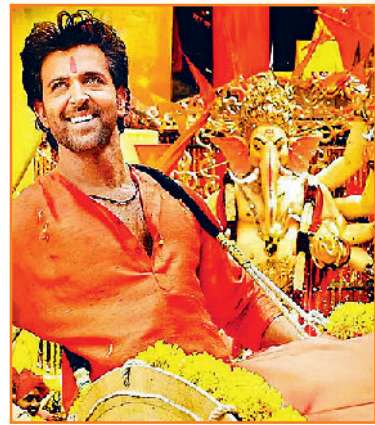
सिनेमा के पर्दे पर श्री गणेश सिर्फ आस्था के प्रतीक बनकर नहीं आए, बल्कि एंड व्हाइट दौर की धार्मिक फिल्मों से लेकर आज के आधुनिक दौर तक हिंदी फिल्मों के कथानक और गीतों में भगवान श्री गणेश को प्रस्तुत किया जाता रहा है। कहानी को आगे बढ़ाने, उसके टर्निंग प्वाइंट्स को गति देने में भी गणपति पूजन-वंदन को महत्व दिया जाता रहा है। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब हुआ है

गणपति का गुणगान



‘हमसे बढ़कर कौन’ का गीत ‘देवा हो देवा’



‘अग्निपथ’ का गीत ‘देवा श्री गणेश’

भक्ति में सराबोर हो झूमने पर मजबूर कर देते हैं। फिल्म ‘दरद का रिश्ता’ में ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ’ ने मानवीय संवेदनाओं और बीमारी से जुझती एक बच्ची के पिता के भावनात्मक मनोदशा को गणेश उत्सव से जोड़कर फिल्माया गया। **कथानक को नया मोड़ देते गणपति गीत:** जैसे-जैसे सिनेमा बदला, गणेशजी पर आधारित गीतों का शिल्प भी बदला। 90 के दशक में फिल्म ‘वास्तव’ का गीत ‘सिंदूर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुख को’ एक ओर तो गंभीर पूजा की अनुभूति कराता है, वहीं दूसरी ओर कहानी में

नायक के जीवन में आने वाले बड़े तूफान का संकेत भी देता है। इसके बाद आधुनिक दौर की ‘अग्निपथ’ (2012) का ‘देवा श्री गणेश’ गीत न केवल गीत-संगीत की दृष्टि से भव्य है, बल्कि यह नायक के प्रतिशोध

और धर्म युद्ध की शुरुआत का प्रतीक भी बनता है। इसी तरह ‘डॉन’ (2006) फिल्म में ‘मोरया रे बप्पा मोरया रे’, ‘एबीसीडी 2’ के ‘हे गणराया’ गीत, कथानक में नया मोड़ लेकर आते हैं। **बढ़ता है सिने-दृश्यों का प्रभाव:** ब्लैक एंड व्हाइट दौर के सादे और भक्तिभाव से पूर्ण भजनों से लेकर आज के रॉक और प्यूजन धुनों पर थिरकते गणेश वंदना के गानों तक, सिनेमा ने यह सिद्ध किया है कि विघ्नहर्ता भगवान गणेश भारतीय दर्शकों के दिल के सबसे करीब हैं। गणेश जी के गीतों की लय में जो सामूहिकता

ढोल-ताशों की गुंज और उत्साह होता है, वह सिनेमाई पदों पर बहुत ही भव्य और प्रभावशाली दिखता है। इसी कारण भारतीय फिल्मों के कथानक में भगवान गणेश की पूजा से जुड़े दृश्य और गीत शोष पर रहे हैं। \*

मराठी संस्कृति का प्रभाव

फिल्मों में गणेश जी के गानों की बहुलता और उनकी स्वीकार्यता का मुख्य कारण उनका विघ्नहर्ता रूप और मराठी संस्कृति में गणेशोत्सव का बृहद प्रभाव है। मुंबई, जो हिंदी सिनेमा की मुख्य भूमि है, वहां गणेशोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान न होकर एक सामाजिक उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। इसीलिए फिल्मकारों ने जनमानस से जुड़ी इस स्थायीय ऊर्जा को पर्दे पर उतारने के लिए गणेश जी पर केंद्रित गीतों को कहानी के महत्वपूर्ण मोड़ (क्लाइमेक्स या टर्निंग प्वाइंट) पर बखूबी इस्तेमाल किया है।